

[Shri Era Anbarasu]

I request the Hon. Minister for Works and Housing to take a policy decision to give top priority to migrant Government employees for allotment of D.D.A. flats by fixing certain percentage for them.

I also urge the Hon. Minister to take a policy decision for construction of Hostels and flats to provide residential facilities not only to the migrants working in Central Secretariat and Ministries in Delhi but also in other Metropolitan cities all over the country.

- (iv) Need to provide coal to villagers of Bihar by opening coal depots and thus save trees from being destroyed.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा) : सभापति महोदय, आज देश भर में मौसम की स्थिति अनिश्चित होती जा रही है। जंगल की अवैध कटाई भयानक रूप में की जा रही है। मौसम विज्ञान के अनुसार एक तिहाई भू-भाग में जंगल का होना वर्षा एवं खुशहाली के लिए अनिवार्य है।

विहार में प्रायः जंगल कट गए हैं। अब जड़ों की खुदाई जलावन के लिए प्रति दिन हजारों-हजार महिलायें एवं पुरुष कर रहे हैं। आखिर जलावन की समस्या कैसे सुलझायें ? गांवों में ईंधन गैस मोहैया नहीं हो रही है। अब तक जलावन के लिए कोयले की आपूर्ति की व्यापक व्यवस्था नहीं की जा सकी है।

सी० सी० एल०, बी० सी० सी० एल० एवं ई० सी० एल० में ग्रामीण किसानों को बेलगाड़ी से कायले की आपूर्ति होती थी, वह प्रथा बन्द कर दी गई है। दूसरी ओर प्रतिदिन हजारों-हजार ट्रकों के द्वारा

जलावन कोयला ब्लैक-व्यापार के लिए बाहर ले जाया जा रहा है।

“यूज कोल सेव ट्री” (कोयला जलाइये और वृक्ष बचाइये) का नारा सर्वत्र कोल इंडिया लिमिटेड ने दिया है किन्तु विहार के कोयला क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आज कोयला दुर्लभ हो गया है। वे वृक्षों का नाश धड़ल्ले से कर रहे हैं। वृक्षों की रक्षा हेतु सरकार जंगल क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए पंचायत स्तर पर कोयला डिपो खुलवा कर इस सिद्धांत को मर्यादित एवं व्यावहारिक बनायें। इसके द्वारा सैकड़ों शिक्षित बेरोजगार युवकों को स्व-नियोजन भी हो सकेगा।

- (v) Rehabilitation of remaining Bangladesh refugee families in Jamshedpur.

SHRI AJIT BAG (Serampore) : Sir, I wish to draw the attention of the House to the grave injustice done to a group of refugee families from the erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) who were camped at Bettiah ever since they moved into India. These families were 100 in number. In 1977 a scheme was drawn up by the Ministry of Rehabilitation under which these families were to be permanently rehabilitated at Jamshedpur (Bihar). By 1980 only 25 of them were move) into Jamshedpur. Since then, voluminous representations, appeals and deputations were made to the Government of India for rehabilitations of the remaining families at Jamshedpur as per the original scheme. The matter has been oscillating between the Centre and the States. Till now these families who have been now reduced to just 52 have not been rehabilitated at Jamshedpur. Then suddenly Government took the plea of communal disturbance at Jamshedpur to stall their movement in Jamshedpur and assured that when the situation improves they will be moved

there. Now to the surprise and shock of these refugees families they are being forcibly moved into Katihar and other places against their wishes. I am told that for their refusal to move, their cash dole, etc., are being withdrawn. Even the 25 families moved in Jamshedpur in 1980 have not been properly rehabilitated. I, therefore, urge upon the Government to keep up their assurance and rehabilitate the remaining 52 refugee families at Jamshedpur and also improve the conditions of the existing families there.

(vi) Need to ban political parties based on religion or castes.

श्री वी० डी० सिंह (फूलपुर) : पंजाब में एक नये साम्प्रदायिक राजनीतिक दल का गठन गम्भीर चिन्ता का विषय है। जहाँ देश में मानववादी विचारधारा सुदृढ़ होनी चाहिए थी, आज जाति, समुदाय, धर्म के आधार पर मानव-मानव में विद्वेष की आग फैलाई जा रही है। इस प्रकार की आग न तो प्रज्वलित हो और न फैले, इसके लिए समाज के हर वर्ग का उत्तरदायित्व है, परन्तु सरकार का उत्तरदायित्व सर्वोपरि है। भूत में हमारे नेतृत्व द्वारा इस समस्या को गम्भीरता से न लिया जाना आज घातक बन रहा है। राजनीति में इस प्रकार की विचारधारा का प्रवेश तथा उसका प्रसार देश की अखण्डता के लिए प्रश्न चिन्ह बन जाता है। अब समय आ गया है, जबकि इस बात की नितान्त आवश्यकता है कि जो भी राजनीतिक पार्टियाँ धर्म, सम्प्रदाय, पंथ, जाति आदि के नाम अथवा आधार पर गठित की गई हैं, उनपर प्रतिबन्ध लगा दिया जाना चाहिए। इसके लिए तत्काल आवश्यक कानून बनाया जाना चाहिए।

अतएव मैं सरकार से निवेदन करूंगा

कि वे अविलम्ब सभी नेताओं से विचार-विमर्श करके ऐसी आवश्यक कार्यवाही करें, जिससे समस्त धर्म, सम्प्रदाय, पंथ, जाति आदि के आधार पर गठित राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबन्ध लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी पार्टियों के गठन किए जाने की सम्भावना समाप्त हो जाए।

(vii) Mis-management and embezzlement of funds in Devi Temple under Badri Bhagat Mandir Trust and need for management of this temple under the law for temples.

श्री बनारसी दास (बुलन्दशहर) : सभापति महोदय, नई दिल्ली के झंडेवालान में बद्री भगत मंदिर ट्रस्ट के अन्तर्गत देवी का मंदिर है। नव-रात्रि के अवसर पर श्रद्धालु भक्तों की बड़ी भीड़ होती है। इस मंदिर में धन की दुरुपयोगिता तथा भ्रष्टाचार के अनेक अभियोग लगाए गए हैं। 3 अप्रैल, 1984 से दिल्ली के कुछ प्रमुख कार्यकर्ता अनशन पर बैठे हैं। झंडेवालान क्षेत्र में दर्शनार्थियों में असन्तोष है। उपराज्यपाल दिल्ली का ध्यान भी इस मामले की ओर आकर्षित किया जा रहा है। नागरिकों की मांगें हैं कि इस मन्दिर का प्रबन्ध नियमित किया जाए और अन्य प्रदेशों में मन्दिरों के सम्बन्ध में जो अधिनियम बना है, उसी अधिनियम के द्वारा यहाँ का प्रबंध भी नियमित किया जाए।

(viii) Need for inquiry into incidents of vandalism etc. in connection with public demonstration against withdrawal of stoppage of 51 Up and 52 Dn trains at Choube and Chichaki stations on Eastern Railway.

SHRI A. K. Roy (Dhanbad) : We travelled by Delhi-Howrah Rajdhani Express starting from New Delhi on the 30th March. The train became late on the way by 12 hours...(Interruptions)